

खबर संक्षेप

मोतीनाला स्कूल में वित्तीय साक्षरता शिविर आयोजित, छात्रों को बैंकिंग योजनाओं और साइबर फ्रॉड से बचाव की दी जानकारी

मण्डला। विकासखंड मवई के हायर सेकेंडरी स्कूल मोतीनाला में वित्तीय साक्षरता केंद्र मंडला द्वारा वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में वित्तीय साक्षरता अधिकारी श्री कृष्णकांत अवस्थी ने विद्यार्थियों को बैंकिंग एवं वित्तीय योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में आरसेटी के डायरेक्टर श्री राजेश राय, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा मोतीनाला के शाखा प्रबंधक तथा शाला प्रभारी श्रीमती सुलोचना बघेल उपस्थित रहे। श्री अवस्थी ने विद्यार्थियों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना एवं उच्च शिक्षा ऋण सहित बैंक की विभिन्न जमा और ऋण योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को बचत का आदत विकसित करने तथा बैंकिंग सेवाओं का सुरक्षित एवं समझदारी से उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। शिविर में साइबर अपराध एवं ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के उपायों पर भी विशेष जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने, व्ज् एवं बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी किसी से साझा नहीं करने तथा संदिग्ध कॉल और संदेशों से सावधान रहने की सलाह दी गई। साइबर फ्रॉड की घटना होने पर तत्काल 1930 हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करने की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में वित्तीय जागरूकता बढ़ाने के साथ उन्हें सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग एवं साइबर सुरक्षा के प्रति सजग करना रहा।

नई दिशा नई पहल नौ नर्मदा भक्तों के लिए रेल मंत्रालय जल्द साकार करे

अमरकंटक से नर्मदा रेल मार्ग की मांग

*** गौरेला-पेंड्रा से अमरकंटक, डिंडोरी, मंडला, घंसीर, गोटेगांव होते हुए नरसिंहपुर तक प्रस्तावित रेलमार्ग की मांग।**

हरिभूमि न्यूज ►► माण्डला

रेल्वे समिति के सदस्य अखिलेश सोनी ने बताया कि नवीन रेलमार्ग नई पहचान देगी मध्यप्रदेश को एकजुट होकर सभी आगे आए मां नर्मदा भक्त राजनीतिक मानसिकता छोड़कर यदि ये रेलमार्ग जिसमें गौरेला-पेंड्रा से अमरकंटक, डिंडोरी, मंडला, घंसीर, गोटेगांव होते हुए नरसिंहपुर तक प्रस्तावित रेलमार्ग केवल एक नया रेल संपर्क नहीं, बल्कि मध्य भारत के आदिवासी, धार्मिक, पर्यटन, कृषि और आर्थिक क्षेत्रों को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण विकास की जीवनरेखा बन सकता है।

इस रेलमार्ग का सर्वे पूर्व में किया जा चुका है। अतः अब आवश्यकता इस बात की है कि केंद्र सरकार, रेल मंत्रालय एवं रेलवे बोर्ड इस प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार करते हुए आवश्यक प्रशासनिक एवं तकनीकी प्रक्रिया आगे बढ़ाने तथा निर्माण के लिए आदेश जारी करने की दिशा में पहल करें।

नर्मदा नदी और रेलमार्ग का विशेष संबंध

अमरकंटक क्षेत्र नर्मदा नदी के उद्गम से जुड़ा हुआ है। प्रस्तावित रेलमार्ग जिन क्षेत्रों से होकर गुजरेगा, वे नर्मदा अंचल की भूगोलिक, सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान से गहराई से जुड़े हैं।

यदि गौरेला-पेंड्रा से नरसिंहपुर तक यह रेलमार्ग बनता है और रेल सेवा प्रारंभ होती है, तो भविष्य में इसे नरसिंहपुर से नर्मदापुरम-इटारसी-खंडवा की दिशा में आगे बढ़ाकर गुजरात तक विस्तारित



करने की व्यापक संभावना पर भी विचार किया जा सकता है।

इस प्रकार भविष्य में यह एक बड़े नर्मदा रेल कॉरिडोर के रूप में विकसित हो सकता है।

भविष्य की परिकल्पना : “नर्मदा रेलमार्ग”

भविष्य में इस संपूर्ण रेल संपर्क को “नर्मदा रेलमार्ग”, “नर्मदा परिक्रमा रेलमार्ग” अथवा किसी उपयुक्त नाम से विकसित करने की पहल की जा सकती है।

इससे नर्मदा उद्गम क्षेत्र से लेकर नर्मदा नदी के प्रवाह क्षेत्र और आगे गुजरात तक आने-जाने वाले श्रद्धालुओं, पर्यटकों, विद्यार्थियों, व्यापारियों और आम नागरिकों को एक व्यापक रेल सुविधा प्राप्त हो सकती है।

इसी उद्देश्य से “नर्मदा परिक्रमा रथ” जैसी जन-जागरूकता एवं जनभागीदारी की पहल भी की जा सकती है, जिसके माध्यम से आम

नागरिक, सामाजिक संगठन, जनप्रतिनिधि और विभिन्न क्षेत्रों के लोग एकजुट होकर इस मांग को केंद्र सरकार एवं रेल मंत्रालय तक मजबूती से पहुंचा सकें।

इस रेलमार्ग से होने वाले प्रमुख लाभ

पिछड़े एवं आदिवासी क्षेत्रों का विकास डिंडोरी, मंडला सहित अनेक क्षेत्रों को बेहतर रेल कनेक्टिविटी मिलने से रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और उद्योग के अवसर बढ़ेंगे। अमरकंटक को बेहतर रेल संपर्क अमरकंटक देश के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों में से एक है। रेल संपर्क मिलने से देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बड़ी सुविधा होगी। नर्मदा पर्यटन को बढ़ावा नर्मदा उद्गम क्षेत्र से जुड़े धार्मिक एवं प्राकृतिक पर्यटन स्थलों को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिल सकती है। कृषि और स्थानीय

व्यापार को लाभ किसानों एवं स्थानीय उत्पादकों को बड़े बाजारों तक पहुंच बनाने में सुविधा मिलेगी। कृषि उपज, वन उत्पाद और स्थानीय व्यवसायों को नई संभावनाएं प्राप्त होंगी। रोजगार के नए अवसर रेलमार्ग के निर्माण के दौरान तथा रेल सेवा शुरू होने के बाद प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अनेक अवसर पैदा होंगे। शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच विद्यार्थियों, मरीजों और आम नागरिकों को बड़े शहरों एवं प्रमुख संस्थानों तक पहुंचने के लिए सुविधाजनक परिवहन उपलब्ध होगा। क्षेत्रीय आर्थिक विकास रेलवे स्टेशन और रेल कॉरिडोर के आसपास बाजार, होटल, परिवहन, पर्यटन, लघु उद्योग और अन्य व्यवसाय विकसित हो सकते हैं। धार्मिक एवं सांस्कृतिक यात्रा को सुविधा अमरकंटक सहित नर्मदा क्षेत्र से जुड़े धार्मिक स्थलों की यात्रा

आसान होगी तथा देश के अलग-अलग हिस्सों से श्रद्धालुओं का आवागमन बढ़ सकता है। मध्य प्रदेश के बीच अर्थिक एवं मजबूत संपर्क गौरेला-पेंड्रा क्षेत्र से मध्य प्रदेश के पूर्वी एवं मध्य भागों को जोड़ने वाला यह रेल संपर्क दोनों राज्यों के बीच आर्थिक एवं सामाजिक संबंधों को मजबूत कर सकता है। भविष्य में गुजरात तक विस्तार की संभावना नरसिंहपुर के बाद नर्मदापुरम, इटारसी और खंडवा की दिशा में रेल संपर्क को आगे बढ़ाने की दीर्घकालीन योजना पर विचार किया जा सकता है। इससे मध्य भारत और गुजरात के बीच एक महत्वपूर्ण नर्मदा-आधारित रेल संपर्क विकसित होने की संभावना बनेगी।

अब क्या करना आवश्यक है?

इस महत्वपूर्ण परियोजना को केवल मांग या घोषणा तक सीमित न रखते हुए इसके लिए संगठित जनप्रतिनिधित्व और जनभागीदारी आवश्यक है। इसके लिए-आम नागरिकों को इस मांग से जोड़ना होगा। क्षेत्र के सांसद एवं विधायक मिलकर केंद्र सरकार के समक्ष प्रस्ताव रखना होगा। मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ सरकार को केंद्र सरकार से समन्वय करना होगा। रेल मंत्रालय एवं रेलवे बोर्ड के समक्ष सर्वे और परियोजना की वर्तमान स्थिति रखनी होगी। आवश्यकतानुसार विस्तृत परियोजना रिपोर्ट, लागत, यात्री संभावनाओं और सामाजिक-आर्थिक लाभ का अध्ययन कराया जाना चाहिए। केंद्र सरकार से इस रेलमार्ग को प्राथमिकता देते हुए आगे की प्रक्रिया शुरू करने का आग्रह किया जाना चाहिए।

जनभागीदारी का आह्वान

यह केवल किसी एक जिले या क्षेत्र

की रेल की मांग नहीं है। यह अमरकंटक, नर्मदा अंचल, मंडला, डिंडोरी, सिवनी क्षेत्र, नरसिंहपुर और आसपास के लाखों लोगों के विकास और बेहतर कनेक्टिविटी से जुड़ी दीर्घकालीन मांग बन सकती है। यदि आम नागरिक, जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठन, व्यापारी, किसान, युवा और क्षेत्र की जनता एकजुट होकर शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से प्रयास करें, तो इस प्रस्ताव को मजबूत जनसमर्थन मिल सकता है।

निष्कर्ष

गौरेला-पेंड्रा-अमरकंटक-डिंडोरी-मंडला-घंसीर-गोटेगांव-नरसिंहपुर रेलमार्ग मध्य भारत के एक बड़े भूभाग के विकास का आधार बन सकता है। पूर्व में सर्वे की प्रक्रिया हो चुकी होने के कारण अब इस दिशा में ठोस प्रशासनिक पहल, आवश्यक स्वीकृतियां और केंद्र स्तर से आगे की कार्रवाई महत्वपूर्ण है। आज यदि इस रेलमार्ग के लिए प्रयास शुरू किया जाता है, तो भविष्य में इसे नर्मदा अंचल के व्यापक रेल नेटवर्क से जोड़ने की संभावना बनाई जा सकती है। अमरकंटक से नर्मदा के मार्ग और आगे गुजरात तक एक व्यापक रेल संपर्क की परिकल्पना धार्मिक पर्यटन, क्षेत्रीय विकास और आर्थिक गतिविधियों के लिए ऐतिहासिक महत्व रख सकती है। “अमरकंटक से नर्मदा अंचल को जोड़ते हुए एक सशक्त रेल संपर्क — यही भविष्य की दिशा, यही विकास का संकल्प।” जनता प्रयास करें, जनप्रतिनिधि साथ आएँ, प्रदेश सरकार पहल करे और केंद्र सरकार तथा रेल मंत्रालय इस दिशा में निर्णायक कदम उठाए — तभी “नर्मदा रेलमार्ग” की यह परिकल्पना वास्तविकता बन सकती है।

बच्चों को बेहतर अंक लाने प्रोत्साहित करें-कलेक्टर

मण्डला। जिले के विद्यार्थियों को जेईई और नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने हेतु संचालित प्रोजेक्ट संकल्प की समीक्षा बैठक गुरुवार को कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे की अध्यक्षता में जिला योजना भवन में आयोजित हुई। कलेक्टर श्री धोटे ने पिछले दो टेस्ट के आंकड़ों की समीक्षा करते हुए कहा कि अभी और अधिक मेहनत की आवश्यकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि मासिक टेस्ट में ए प्लस और ए ग्रेड प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाई जाए। टेस्ट के बाद संकुल प्राचार्य परिणाम का विश्लेषण कर बी ग्रेड वाले विद्यार्थियों की कमजोरी चिन्हित करें और उस पर विशेष फोकस करें। उन्होंने कहा कि मंडला को छोड़कर अन्य सभी विकास खण्डों में स्थिति संतोषजनक नहीं है। अगली मासिक समीक्षा में संकुल वार रिव्यू किया जाएगा। कलेक्टर ने बताया कि शनिवार को प्रोजेक्ट का अगला टेस्ट आयोजित होगा। इसके बाद सबजेक्ट टीचर बच्चों को उत्तरी का विस्तृत विश्लेषण कराएंगे और तीनों गलत विकल्प क्यों गलत हैं, इसे स्पष्ट रूप से समझाएंगे। उन्होंने कहा कि इस माह टॉप-5 में स्थान पाने वाले बच्चों को जिला अधिकारी अपने दौरे के दौरान सम्मानित करेंगे, जिससे विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। प्रोजेक्ट की सफलता में संकुल प्राचार्य की भूमिका महत्वपूर्ण बताते हुए कलेक्टर ने कहा कि संकुल प्राचार्य इसे अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी मानकर मॉनिटर करें। जितना बारीकी से विश्लेषण होगा, प्रोजेक्ट उतना सफल होगा। यह केवल पत्र और निर्देशों से सफल नहीं होगा। कल्पी और घुटास दौरे के दौरान बच्चों से मिले फीडबैक का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि बच्चों में उत्साह है, इसलिए हमें अतिरिक्त मेहनत करनी होगी।

आबकारी विभाग की कार्यवाही, 4500 रुपये की मदिरा जब्त

मण्डला। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी तथा प्रभारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती शैली सैयाम के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा मंडला वृत्त क्षेत्र में अवैध शराब के विक्रय एवं संग्रहण के विरुद्ध दबिश की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान ग्राम मधुपुरी में मदन नंद के कब्जे से 5 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची शराब जप्त की गई। वहीं ग्राम घूघरा में राजाराम के कब्जे से 10 नग देसी मदिरा प्लेन तथा विलेज कैफे से 16 नग विदेशी मदिरा एवं 2 केन बीयर बरामद की गई। जप्त मदिरा की कुल अनुमानित कीमत लगभग 4500 रुपये बताई गई है। मामले में संबंधित आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं। विभाग द्वारा अवैध शराब के निर्माण, विक्रय एवं संग्रहण के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी रखने की बात कही गई है। कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक भानु पुशाम, हरे सिंह उड्के, प्रधान आरक्षक शकुंतला सैयाम, नेतराम काकोटिया एवं विकास कौरव उपस्थित रहे।



प्रशिक्षक की दरकार

तकनीकी अमले के प्रशिक्षण के बिना कैसे सुधरेगी नगर की व्यवस्था?

जल प्रदाय, स्वच्छता विद्युत, दमकल सेवाओं में हो नियमित प्रशिक्षण

*** समय-समय तकनीकी प्रशिक्षण की आवश्यकता महसूस।**

हरिभूमि न्यूज ►► माण्डला/गुआबिछिया

नगर की व्यवस्थाएं केवल मशीनों, संसाधनों और भवनों से संचालित नहीं होतीं, बल्कि उनके पीछे काम करने वाले प्रशिक्षित और दक्ष कर्मचारियों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। नगर परिषद भुआ-बिछिया में जलप्रदाय, वाटर फिल्टर प्लांट, स्वच्छता, विद्युत, निर्माण, फायर एवं दमकल वाहन संचालन सहित विभिन्न तकनीकी कार्यों में कार्यरत कर्मचारियों के लिए समय-समय पर प्रशिक्षण की आवश्यकता महसूस की जा रही है। बदलते दौर में तकनीक निरंतर विकसित हो रही है, ऐसे में कर्मचारियों को भी नई तकनीकी प्रक्रियाओं और निर्धारित मानकों से परिचित कराना जरूरी हो गया है।

नगर परिषद की जलप्रदाय व्यवस्था सोधे नागरिकों के स्वास्थ्य और दैनिक जीवन से जुड़ी है। वहीं वाटर फिल्टर प्लांट में जल शुद्धिकरण की प्रक्रिया में तकनीकी सावधानी, उपकरणों का उचित संचालन, निर्धारित मात्रा में रसायनों का उपयोग तथा गुणवत्ता मानकों की जानकारी आवश्यक होती है। इन कार्यों में मामूली चूक भी व्यवस्था की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती है। इसलिए संबंधित कर्मचारियों को नियमित रूप से तकनीकी प्रशिक्षण



और व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध कराना जरूरी है।

इसी तरह स्वच्छता व्यवस्था नगर की पहचान और नागरिक स्वास्थ्य का महत्वपूर्ण आधार है। कचरा संग्रहण, परिवहन, सफाई व्यवस्था तथा स्वच्छता संबंधी आधुनिक प्रक्रियाओं के संबंध में कर्मचारियों को समय-समय पर प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। बदलती तकनीक और स्वच्छता प्रबंधन की आधुनिक अवधारणाओं के अनुरूप कर्मचारियों की कार्यकुशलता बढ़ाना नगर परिषद का प्राथमिकताओं में शामिल होना चाहिए।

विद्युत और निर्माण कार्यों में भी तकनीकी दक्षता जरूरी

नगर परिषद के विद्युत एवं निर्माण संबंधी कार्य भी तकनीकी दक्षता की मांग करते हैं। विद्युत व्यवस्था में सुरक्षा मानकों की जानकारी और उपकरणों के सुरक्षित संचालन का प्रशिक्षण कर्मचारियों के लिए महत्वपूर्ण है। निर्माण कार्यों में

निर्धारित तकनीकी मानकों, गुणवत्ता, सामग्री के उपयोग तथा कार्यस्थल की सुरक्षा संबंधी प्रक्रियाओं की जानकारी होना आवश्यक है। नियमित प्रशिक्षण से कर्मचारियों को अपने दायित्वों को अधिक जिम्मेदारी और कुशलता के साथ निभाने में सहायता मिल सकती है।

दमकल सेवा में प्रशिक्षण की विशेष आवश्यकता

फायर एवं दमकल वाहन से संबंधित कार्य अत्यंत संवेदनशील माने जाते हैं। आपातकालीन परिस्थितियों में कुछ ही क्षणों में निर्णय लेना पड़ता है। ऐसे में दमकल वाहन के संचालन, अग्निशमन उपकरणों के उपयोग, सुरक्षा उपायों और आपदा के समय अपनाई जाने वाली कार्यप्रणाली का नियमित अभ्यास कर्मचारियों के लिए अत्यंत आवश्यक है। केवल वाहन उपलब्ध होना पर्याप्त नहीं, बल्कि उसे संचालित करने वाला अमला प्रशिक्षित और

परिस्थितियों से निपटने में सक्षम होना भी जरूरी है।

प्रशिक्षण से बढ़ेगा आत्म विरास और कार्यकुशलता

समय-समय पर प्रशिक्षण मिलने से कर्मचारियों को अपनी जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से समझने और उनका निर्वहन करने में सहायता मिलेगी। प्रशिक्षण के माध्यम से कर्मचारियों को नई तकनीक, उपकरणों के संचालन, सुरक्षा प्रोटोकॉल और विभागीय कार्यप्रणाली की जानकारी दी जा सकती है। इससे न केवल कार्यों की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि आकस्मिक परिस्थितियों में त्वरित और सुरक्षित कार्रवाई की क्षमता भी विकसित होगी।

कर्मचारियों के कौशल विकास पर हो विशेष ध्यान

नगर परिषद भुआ-बिछिया में कार्यरत कर्मचारियों के कौशल विकास के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाने की

आवश्यकता है। संबंधित विभागों के विशेषज्ञों और तकनीकी अधिकारियों के माध्यम से प्रशिक्षण शिविर, कार्यशालाएं एवं व्यावहारिक अभ्यास आयोजित किए जा सकते हैं। इससे कर्मचारियों को अपने कार्यक्षेत्र में आ रही नई चुनौतियों और तकनीकी बदलावों से परिचित होने का अवसर मिलेगा। नगर की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की दिशा में कर्मचारियों का प्रशिक्षण कोई औपचारिकता नहीं, बल्कि नागरिक हित से जुड़ी महत्वपूर्ण आवश्यकता है। यदि तकनीकी अमले को समय-समय पर प्रशिक्षण देकर उनकी कार्यक्षमता को विकसित किया जाए, तो नगर परिषद की सेवाओं में गुणवत्ता, सुरक्षा और जवाबदेही को और मजबूत किया जा सकता है। आधुनिक नगर व्यवस्था की आधारशिला प्रशिक्षित मानव संसाधन ही है और इसी दिशा में नगर परिषद को कर्मचारियों के सतत कौशल विकास पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

प्रोजेक्ट संकल्प: द्वितीय राउंड टेस्ट में 10वीं के देवांश पटेल ने जिले में किया टॉप, स्कूल में हुए सम्मानित

मण्डला। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे के निर्देशन में संचालित प्रोजेक्ट संकल्प के तहत आयोजित आईआईटी-जेईई और नीट परीक्षा की तैयारी हेतु द्वितीय राउंड टेस्ट का परिणाम घोषित कर दिया गया है। इसमें शासकीय हाईस्कूल खलीड़ा विकासखंड मवई के 10वीं कक्षा के छात्र देवांश पटेल ने प्रथम रैंक हासिल कर पूरे जिले में टॉप किया है। देवांश की इस शानदार उपलब्धि पर उनके विद्यालय में हर्ष का माहौल है। छात्र का उत्साहवर्धन करने और उन्हें भविष्य की परीक्षाओं के लिए और अधिक अभिप्रेरित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को स्कूल प्रांगण में समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जनशिक्षक एवं विद्यालय के प्राचार्य द्वारा देवांश को 6 नोटबुक्स एवं पेन देकर सम्मानित व पुरस्कृत किया गया। प्रोजेक्ट संकल्प का मुख्य उद्देश्य शासकीय स्कूलों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी के लिए मंच और मार्गदर्शन प्रदान करना है। देवांश पटेल की इस सफलता पर विद्यालय परिवार, शिक्षकों और क्षेत्रवासियों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।



कलश यात्रा के साथ श्री झूलेलाल चालीसा महोत्सव का हुआ समापन



* बहिराणा साहिब का पूजन और विशाल मंडारे के साथ हुए आयोजन।

हरिभूमि न्यूज ►► माण्डला

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवानी बाई केवलराम श्री झूलेलाल मंदिर अंबेडकर वार्ड में श्री झूलेलाल चालीसा महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। 13 जुलाई से आरंभ चालीसा महोत्सव श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र रहा, इसमें रोजाना विभिन्न आयोजन किए गए जिसमें प्रत्येक शुक्रवार को महाआरती, सांस्कृतिक आयोजन छपन भोग एवं अन्य धार्मिक आयोजन शामिल रहे। 21 अगस्त शुक्रवार

को चालीस दिन पूर्ण होने के पश्चात श्री झूलेलाल चालीसा महोत्सव का समापन किया गया। जिन श्रद्धालुओं ने 40 दिन का व्रत रखा था उनके द्वारा हवन पूजन किया गया एवं आहुति दी। हवन पूजन पंडित राधूनाथ शर्मा की मौजूदगी में संपन्न हुआ, तत्पश्चात भगवान श्री झूलेलाल की आरती की गई, चालीसा अखंड दिव्य ज्योति दर्शन हुआ, बहिराणा साहिब का पूजन अर्चन किया गया।

विशेष ड्रेस कोड के साथ निकाली कलश यात्रा

धर्म आस्था प्रेमी महिलाओं के द्वारा कलश यात्रा निकाली गई एवं बहिराणा साहिब जी की शोभायात्रा बैड बाजे के साथ निकाली गई, इसमें पुरुष सफेद एवं महिलाएं

पिंक ड्रेस कोड वेशभूषा में नजर आए। महिलाओं ने गरबा डांडिया के साथ कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कलश यात्रा में वातावरण भक्तिमय हो गया। कलश शोभायात्रा अंबेडकर वार्ड स्थित श्री झूलेलाल मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए रामेराज घाट स्थित माँ नर्मदा के पावन तट परआरती, पूजा, अरदास, पल्लव पूजा के साथ संपन्न हुई। सायं काल में इंद्रेश तलरेजा के द्वारा संगीतमय प्रस्तुति दी गई, तत्पश्चात श्री झूलेलाल मंदिर में महाआरती का आयोजन हुआ,इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु जन शामिल रहे, धर्म आस्था प्रेमियों के लिए आम लंगर की व्यवस्था की गई जिसमें शामिल जनों ने महाप्रसादी ग्रहण की।

ख़बर संक्षेप

म.प्र.शासन या फिर प्रेस का लेख कराते हुए बगैर परमिट दौड़ रहे चार पाहिया वाहन

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका । आबादी के बढ़ते दबाव के चलते पूरे जिले में सड़कों पर दौड़ने वाले चार पहिया सवारी वाहनो की संख्या भी तेजी से बढ़ती चली जा रही है। इन वाहनो पर नियंत्रण के लिए नियम कायदे बने है, जिनका पालन कराने की जिम्मेदारी परिवहन विभाग की है। मगर विभागीय सुस्ती के कारण सड़कों पर बगैर परमिट के अनेक टैक्सी धडल्ले से चल रहे है, कभी कभार कागजी खानापूर्ति के लिए एक दो वाहनो का चालान कर दिया जाता है बगैर टैक्सी परमिट के दौड़ने वाले वाहनो की संख्या क्षेत्र में हजारों में है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो यहां पर स्थित अनेक कंपनियों द्वारा अनेक वाहनो को किराया पर ले किया गया है, जिनके किराय से लागने के लिए भी परमिट होना जरूरी होता है। मगर बिना टैक्सी परमिट के वाहन मे सवारियों का परिवहन करना सारसर परिवहन नियमों की अवहेलना है? मगर अक्सर देखा जाता है कि शासकीय कार्यालयों में लगे हुए अनेक वाहनो में म.प्र. शासन का लेख कराते हुए उन्हें किराय के रूप में खुलेआम यातायात नियमों की धजियाँ उठाई जा रही है? एक तरफ जहां नियमों के परखच्चे उड़ रहे है। वहीं दूसरी तरफ टैक्स के माध्यम से सरकार को मिलने वाले राजस्व को भी हानी पहुंच रही है, देखने मे आ रहा है कि अधिकांश जीप, मार्शल, बुलरो, स्कारपियो या उसे जैसे वाहन निजी कंपनियों में किराया पर सवारी ढोने के काम मे लगे हुए है। इस प्रकार वाहन मालिक टैक्स की राशि बचाकर अपने वाहनो को सवारियों के परिवहन मे लगा देते है और परिवहन विभाग कभी इसी जांच के लिए व्यापक अभियान नहीं छेड़ता, परिणाम स्वरूप ऐसे वाहन धडल्ले से चल रहे और इनकी संख्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है। जब कोई दुर्घटना होती है तब अधिकारियों से लेकर आम पब्लिक हाथ मलते रह जाती है। नगर में स्थित व क्षेत्र में स्थित अनेक कंपनियों में इसी प्रकार अधिकांश शासकीय विभागों मे निजी वाहनो को किराए पर लगाया गया है, जबकि शासन के स्पष्ट निर्देश है कि किसी भी सरकारी दफ्तर से आवश्यकता होने पर जो वाहन किराए पर लगाए जाएं उनका रिजिस्ट्रेशन परिवहन विभाग मे टैक्सी वाहन के रूप मे होना अनिवार्य है, परिवहन विभाग के पास इन वाहनो पर कार्यवाही किये जाने की जानकारी नहीं मिली। शासन के आदेश की विभागीय अधिकारी विभाग भी इस दिशा मे उदासीनता प्रदर्शित कर रहा है।

साइड सोलडर के आभाव में आये दिन हो रही सड़क दुर्घनाओं के बाद भी प्रशासन की चुप्पी पर सवाल...

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका । कहने के लिये तो हमारे क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर का मार्ग निकला हुआ है, मगर इस मार्ग की अनदेखी का परिणाम है कि जब कोई इस मार्ग से निकलता है तो बदहाल सड़क के नाम से क्षेत्र का संपूर्ण देश में नाम उजागर होने से नहीं चूकता है और यहां से निकलने वाले हर व्यक्ति द्वारा निश्चित तौर से यही बात कही जाती हो कि अब वह भूलकर भी कभी गाडरवारा क्षेत्र की ओर रूख नहीं करेगा...? क्योंकि बदहाल हो चुकी सड़क का आलम इस तरह से देखा जाता है कि बारिश का दौर शुरू होते ही इस मार्ग के साइड सोलडर नहीं होने से आये दिन वाहनो की सड़क दुर्घटनाओं का शिकार होते हुये देखा जाता है। इस सच्चाई को लगातार उजागर किये जाने के बाद भी न तो क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों द्वारा कोई ध्यान दिया जाता है और न ही अधिकारियों के द्वारा जिसका परिणाम इस मार्ग से निकलने वाले लोगों के साथ साथ क्षेत्र की जनता को भोगने के लिये मजबूर होते हुये देखा जाता है। यदि क्षेत्र की जनप्रतिनिधियों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो उनकी भूमिका मात्र क्षेत्र की समस्याओं को लेकर पत्रचार तक सीमित होकर रह चुकी है...? इस तरह गाडरवारा से पिपरिया की ओर जाने वाले राष्ट्रीय स्तर के मार्ग की हालत इस तरह बन चुकी है कि सड़क के दोनों ओर साइड सोलडर नहीं होने से जहां वाहनो को दुर्घटना ग्रस्त होते हुये देखा जाना आम बात बन चुकी है।

दादा धूनीवालों की नगरी साईंखेड़ा में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का हुआ समापन

मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास ही सफलता की कुंजी

हरिभूमि न्यूज/साईंखेड़ा।

क्षेत्र में विकास की गंगा बहने के साथ साथ जिस तरह के आयोजन होते हुये देखे जा रहे है इनकी शायद ही क्षेत्रवासियों द्वारा कभी कल्पना नहीं की गई होगी...? गाडरवारा विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत बीते हुये दो वर्षो से लगातार शिक्षा विभाग द्वारा राष्ट्रीय स्तर की कबड्डी व ज्वालीबाल प्रतियोगिता के बाद दादा धूनी वालो की नगरी साईंखेड़ा में राज्य स्तरीय विज्ञाप प्रदर्शन का आयोजन क्षेत्र के विधायक व प्रदेश के शिक्षा मंत्री के प्रयासों का परिणाम है। इस तरह के आयोजनों से निश्चित हमारे बच्चों को कुछ सीखने व आगे बढ़ने के अवसर प्रदान होने से नही चूकेगे। नगर साईंखेड़ा स्थित सांदीपनि शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजित विज्ञान, गणित, पर्यावरण एवं सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी 2025-26 के राज्य स्तरीय दो दिवसीय आयोजन का शुक्रवार को समारोह पूर्वक समापन हुआ। समापन समारोह में प्रदेश के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा-अर्चना से हुआ। छात्राओं ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुति देकर कार्यक्रम को मनमोहक बनाया। वही समापन समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री सिंह ने कहा कि मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास ही सफलता की कुंजी है। जब बच्चे इस तरह के आयोजनों के माध्यम से अपने अंदर छिपी हुई प्रतिभाओं का प्रदर्शन करते है तो इन विद्यार्थियों के चेहरों में ही भारत का उज्ज्वल भविष्य दिखाई देता है। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से मन लगाकर पढ़ाई करने, निरंतर आगे बढ़ने, देश सेवा में योगदान देने तथा स्वावलंबी बनकर रोजगार के नए अवसर सृजित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में आगे बोलते हुये शिक्षकों से कहा कि वे विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन, आत्मविश्वास और नवाचार के लिए निरंतर प्रेरित करें, ताकि विद्यार्थी सशक्त एवं आत्मनिर्भर राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि सांदीपनि विद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के क्षेत्र में नए मानक स्थापित कर रहे हैं। शासकीय विद्यालयों में ड्रापआउट दर का शून्य होना तथा मेरिट सूची में विद्यार्थियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक बदलाव का प्रमाण है। वैज्ञानिक सोच और नवाचार को मिला मंच- समापन समारोह के मुख्य अतिथि मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने कहा कि राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा, ज्ञान, वैज्ञानिक सोच और रचनात्मकता प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती है। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने हड़प्पा एवं मोहनजोदड़ो सभ्यताओं सहित विज्ञान, गणित, इतिहास, पर्यावरण, भूगोल और राजनीति जैसे विभिन्न विषयों पर उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक मॉडल तैयार किए। इन मॉडलों को तैयार करने में विद्यार्थियों के मार्गदर्शक शिक्षकों की महत्वपूर्ण



भूमिका रही। वही समापन समारोह में विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को अतिथियों द्वारा स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। मॉडल विधा के विज्ञान विषय में नर्मदापुरम संभाग की अदिति लौवंशी ने प्रथम, ग्वालियर की लवली लोधी एवं जबलपुर के आर्यन वर्मा ने द्वितीय तथा रीवा के नंद जी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गणित विषय में जबलपुर संभाग की अंबिका साहू प्रथम, जबलपुर के प्रफुल्ल मिश्रा तथा सागर की राज बाई एवं उज्जैन के करन भूरिया द्वितीय तथा ग्वालियर के समर बघेल तृतीय रहे। इतिहास विषय में ग्वालियर की सायनी जाटव ने प्रथम, जबलपुर की आयुषी प्रजापति ने द्वितीय एवं नर्मदापुरम की कविता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पर्यावरण विषय में सागर संभाग की दिव्या पटेल प्रथम, नीरज प्रजापति एवं अरुणा अग्रवाल द्वितीय तथा जबलपुर की शिवानी रजक तृतीय रहीं। भूगोल में उज्जैन संभाग के असलम मंसूरी प्रथम, सागर की अंबिका पाठक द्वितीय एवं इंदौर के परवेश आर्य तृतीय रहे। राजनीति विषय में ग्वालियर की सहजवीर कौर प्रथम, इंदौर की उर्वशी द्वितीय एवं



भोपाल की पूजा यादव तृतीय रहीं। इसी प्रकार सेमिनार, पर्यावरण गीत, लघुनाटिका एवं प्रश्न मंच विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों तथा शिक्षिका आकांक्षा राजोरिया को भी स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। मॉडलों का अवलोकन कर विद्यार्थियों का बढ़ाया उत्साह- समापन समारोह से पहले मंत्री सिंह ने विज्ञान एवं इतिहास विषयों पर विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए मॉडलों का अवलोकन करते हुये उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर उनके मॉडल की कार्य प्रणाली एवं विषयवस्तु की जानकारी ली तथा उनकी वैज्ञानिक सोच, नवाचार एवं रचनात्मकता की सराहना करते हुए उत्साहवर्धन किया। वही कार्यक्रम में अतिथि के रूप में पधारे हुये जनपद पंचायत चीचली के पूर्व अध्यक्ष मुकेश मरैया ने संबोधित करते हुए कहा कि राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा एवं कौशल का बेहतर प्रदर्शन किया है। राज्य शिक्षा केंद्र से डॉ. विपिन वर्मा एवं डीपीसी प्रदीप कुमार द्विवेदी ने प्रदर्शनी से संबंधित प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और आयोजन में सहयोग करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार



व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन मनीष शंकर तिवारी ने किया तथा नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती स्वाति सचिन अग्रवाल ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक नरेश पाठक, गाडरवारा नपा अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा, मिनेन्द्र डागा, जिला पंचायत सदस्य डॉ योगेश कौरव, धनंजय पटेल, गौरीशंकर खेमरिया, धर्मपाल सिंह, गाडरवारा भाजपा मंडल अध्यक्ष चंद्रकांत शर्मा, दिग्विजय सिंह ,कीरत सिंह पटेल, सुरेश मामूलिया, पंचम सिंह पटेल, पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष अशोक भागव, स्मृति जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधि सहित एसडीएम प्रगति वर्मा, संयुक्त संचालक घनश्याम सोनी, एनसीईआरटी से पी वी राघवेंद्रा, राज्य शिक्षा केंद्र से सुनील श्रीवास्तव, विपिन वर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा, डीपीसी प्रदीप कुमार द्विवेदी, बीईओ सीमा डोंगरे, वॉरेंड राजपूत, एपीसी मनीष चौकसे, समीर त्यागी, बीआरसी डी के पटेल, बंटी जाट, प्राचार्य चंद्रकांत विश्वकर्मा, बीएसी मनीराम मेहरा, पवन राजोरिया सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी, गणमान्य नागरिक, प्रदेश के विद्यालयों से आए छात्र छात्रायाें उपस्थित रहे।

नपा के खिलाफ खिलाफ टीव्हीएन को टेक्स संबंधी दावा करना पड़ा भारी मा. उच्च न्यायालय द्वारा 15 दिन में 9 लाख 71 हजार जमा करने का दिया आदेश



हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। कोई भी नगर पालिका हो या फिर नगर परिषद सहित ग्राम पंचायत उनके द्वारा बसूले जाने वाले विभिन्न कचरे के माध्यम से ही वह अपने योजनाएं तैयार करते हुये विकास कार्यों सहित जरूरी व्यवस्थाओं को पूर्ण करते है। इसी प्रकार से स्थानीय नगर पालिका परिषद द्वारा भी अपने शासक की स्थिति में सुधार लाने के साथ साथ अन्य आमजन की सुविधाओं सुचारु बनाने जाने के लिये अनेक प्रकार के कचरे को बसूली की जा रही है। इसी क्रम में नगर की कुछ शिक्षण संस्थायें है जिन पर नगर पालिका का लाखों रूपया की राशि के रूप में कर बाकी होने के चलते जब नगर पालिका द्वारा उन्हें नोटिस जारी करते हुये कर बसूली के लिये अपनी ओर से सख्ती बरती गई तो कुछ संस्थाओं द्वारा तो अपने कचरे का गुप्तताान करने के लिये सहमत होने के साथ नगर विकास में पूरा सहयोग देने का भरोसा किया गया। मगर नगर के टीव्हीएन स्कूल द्वारा इस तरह नगर पालिका कर बसूली के खिलाफ मा. उच्च न्यायालय में दावा पेश किया गया था। इस तरह टीव्हीएन स्कूल द्वारा पेश किये गये दावे को लेकर नगर पालिका अधिकारियों



द्वारा अपनी जानकारी में बताया गया है कि नगर पालिका परिषद द्वारा बडे बकायादारों पर की जा रही कार्यवाही से नगर के टैौर विद्या निकेतन विद्यालय द्वारा बसूली नोटिसों को मा. उच्च न्यायालय जबलपुर में चुनौती दी गई थी। जिस पर मा. उच्च न्यायालय द्वारा बीते हुये 20 अगस्त 2026 को अंतरिम आदेश में टैगौर विद्या निकेतन को जबनर बसूली को कार्यवाही से बचने के लिये पेश किये गये दावे की अगली सुनवाई के पहले 15 दिवस में 9.71 लाख की राशि जमा करने के लिये निर्देशित किया गया है। बताया जाता है कि टैगौर विद्या निकेतन द्वारा म.प्र. नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 127(A), (2), (C) के तहत संपत्तिकर में शैक्षणिक संस्थाओं को मिलने वाली छूट प्राप्त होने के आधार पर नगर पालिका के दावों को चुनौती दी गई थी। मामले में नगर पालिका परिषद गाडरवारा की ओर से अधिवक्ता दिजयेन्द्र चौधरी द्वारा अपना पक्ष रखा गया था। वहीं मामले में मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमति रितु मेहरा का कहना है कि नगर पालिका द्वारा की गई मांग केवल बसूली के रूप में देखना सही नहीं है। नगरीय निकाय नागरिको को



विभिन्न गुलभूत सेवाये उपलब्ध कराता है और उन पर कर का अपना अलग वैधानिक आधार है। नगर पालिका मा. न्यायालय के समक्ष सभी संबंधित तथ्य प्रस्तुत करेगी। वहीं इस संबंध में नगर पालिका अध्यक्ष शिवकांत मिश्रा का कहना है कि नगर पालिका का उद्देश्य किसी संस्था व व्यक्ति को अनावश्यक रूप से परेशान करना नहीं है, बल्कि नगर पालिका को देय राशि की नियमानुसार बसूली सुनिश्चित करना है।जिससे नगर का विकास व आमजन को जरूरी व्यवस्थायें उपलब्ध होती रहे। मा. उच्च न्यायालय द्वारा अंतरिम आदेश में राशि जमा कराने की शर्त निर्धारित करना महत्वपूर्ण है। अध्यक्ष मिश्रा का कहना है कि हमे मा. न्यायपालिका पर पूरा विश्वास व भरोसा है और निर्णय अनुसार आगे की कार्यवाही की जावेगी। नगर पालिका अपने वैधानिक राजस्व हितों की रक्षा के लिये प्रतिबद्ध है। निकाय के संसाधनों से ही विकास एवं जूनहित के कार्य संचालित होते है। अतः नगर विकास के दृष्टिगत अन्य बकायादारों पर भी कार्यवाही की जावेगी।

शहीद नगरी चीचली जनपद के सामने बढ़ रहा अतिक्रमण, शुरूआती दौर को नजर दान करना बढ़ाता है हौसला

हरिभूमि न्यूज/चीचली। शासकीय भूमियों पर होने वाली अतिक्रमण को जिस तरह िजम्मेदार अधिकारियों द्वारा शुरूआती दौर में नजर अंदाज किया जाता है। यह सच्चाई निश्चित तौर से अतिक्रमणकारियों के हौसलों को बुलंद करने से नहीं चूकती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय शहीद नगरी चीचली जनपद कार्यालय के सामने मुख्य मार्ग पर लगातार हो रहे अतिक्रमण के रूप में देखने मिल रही है। जनपद कार्यालय के ठीक सामने मुख्य मार्ग के किनारे खाली पड़ी शासकीय भूमि पर दिनों दिन अतिक्रमण इस गति से हो रही है कि मानों अतिक्रमण कारियों के बीच होड़ लग चुकी है कि यदि तूने दस फिट का टपरा जमाया है तो मैं उससे डबल टपरा जमाऊंगा और हाल यह बना हुआ है कि देखते ही देखते यहां पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनने वाले आवासों के समान टपरे स्थापित होते चले जा रहे है। इस तरह शासकीय कार्यालय के सामने व मुख्य मार्ग के किनारे पनप रहा यह अतिक्रमण जहां यातायात के लिये बाधक साबित होने से नहीं चूकेगा तो दूसरी ओर आसाजिक तत्वों का बोलबाला स्थापित होने की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता है...? मगर लोग हैरत में तो इस सच्चाई को देखते हुये पढ़ने से नहीं चूक पा रहे है कि इस मार्ग से जहां सुबह शाम यहां पर तहसीलदार सहित राजस्व विभाग के अन्य अधिकारियों का निकलना होता रहता है। वहीं दूसरी ओर नगर पालिका अधिकारी भी इसी मार्ग से निकलते हुये देखे जाते है। इतना ही नहीं जनपद कार्यालय के जिम्मेदार अधिकारी इस सच्चाई को अपनी आंखों से देखने के बाद भी इस अतिक्रमण की शुरूआत को जिस तरह नजर अंदाज करते हुये देखे जा रहा है उससे यह प्रतीत होने से नहीं चूक पा रहा है कि मानों अतिक्रमणकारियों के लिये इनके द्वारा खुलेआम छूट प्रदान करते हुये कोई प्रतियोगिता की जा रही हो कि जो जितना बड़ा अतिक्रमण करेगा उसे पुरस्कार प्रदान किया जावेगा...? इस तरह अतिक्रमण की शुरूआती दौर को नजर अंदाज किये जाने का परिणाम ही अतिक्रमण कारियों के हौसलों को बुलंद करने से नहीं चूकता है।



अधिकारियों की गफलतबाजी के चलते अन्नदाताओं द्वारा ट्रैक्टर ट्राली के नीचे काटी गई रातें, शायद ही वह कभी नहीं भुला पायेगा...?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। वैसे तो अब शासन द्वारा की जाने वाली मृंग खरीदी की तारीख निकल चुकी है और यह कार्य पूर्ण भी हो चुका है। मगर गौर किया जावे तो मृंग फसल को तैयार करने के लिये अन्नदाता को किस तरह से परेशानियों का सामना करते हुये अपने घर तक लाया जाता है यह सच्चाई सिर्फ खेतों में काम करने वाला माटी पुत्र ही जानता है। इस तरह खून पसीना एक करते हुये तैयार की जाने वाली फसल को लेकर अन्नदाता द्वारा अनेक प्रकार के सपने पहले से ही संजोकर रखे जाते है। मगर जब उस मृंग का विक्रय करने का समय आता है तो सरकार द्वारा लिये जाने वाले निर्णय तथा अधिकारियों द्वारा की जाने वाली कफलत बाजी के चलते किसानों को किस तरह से परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ता है इस सच्चाई को बीते हुये दिनों जगह जगह देखने मिले नजारा नै निश्चित तौर से लोगों की आंखों में आंसू आने मजबूर कर दिया था तो दूसरी ओर उस सच्चाई को शायद अन्नदाता भी आसानी से नहीं भुला पायेगा कि आखिरकार उनके द्वारा मूसलाधार बारिश के बीच ट्रैक्टर ट्रालियों के बीस किस तरह से राते काटी गई है...? मृंग विक्रय होने के दिनों हो रही मूसलाधार बारिश के दौरान जहां लोगों को अपने घरों से फ़नकलने में दहशत महसूस करते हुये देखे जा रहे थे। क्योंकि आसमान से चमकने वाली तेज कड़क व ष्बजली की दहशत निश्चित तौर लोगों को घरों के अंदर जाने के लिये मजबूर करने से नहीं चूक रही थी। मगर रात दिन खेतों में काम करने वाला किसान



बेयर हाऊसों के पास खुले मैदान में अपनी मूंफ़ फसल को लेकर टेक्टर लेकर लाईनों में खड़ा हुआ नजर आने से नहीं चूक रहा था। हाल यह बना हुआ था फ़ गांव शहर से दूर खुले मैदानों में बने हुये इन बेयर हाऊसों में मृंग खरीदी को लेकर शासन द्वारा किसानों के लिये जरूरी व्यवस्थायें उपलब्ध कराने के आदेश तो दिये गये थे। मगर वह आदेश मात्र औपचारिकता पूर्ण साबित होने से नहीं चूक रहे थे। हत्तो तक लाईनों में खड़े रहने के बीच रात के समय होने वाली बारिश के चलते अन्नदाता को अपनी खून पसीने से तैयार की गई फसल की रखबारी के लिये ट्रैक्टर ट्रालियों के नीचे रात काटने के लिये मजबूर कर दिया गया था। इस दौरान माटी पुत्र की ज़न्दगी चारों ओर खतरें से खाली नजर आने से नहीं चूक रही थी। क्योंकि जब बारिश का दौर शुरू होता है तो जमीन के अंदर बनी हुई पोलों में पानी भरने के कारण जहरीले सांप गुहरे सहित अन्य प्रकार के जीव जन्तु बाहर निकलकर यहां वहां भटकते हुये देखे जाते है। मगर

अपनी ट्रैक्टर ट्रालियों के नीचे बारिश से बचते हुये सोने वाले मजबूर अन्नदाता को त्सर्फ़ अपने बच्चों का पेट पालने से लेकर मूंफ़ फसल को तैयार करने के लिये उठाये गये कर्ज की चिंता सता रही थी। सही मायने में देखा जावे तो अन्नदाता की यह स्थिति सरकार द्वारा लिये जाने वाले निर्णय व अधिकारियों के चलते किसानों का परिणाम भोगने के लिये मजबूर होना पड़ता है। कुछ इसी प्रकार का हाल इस साल भी देखने मिला। क्योंकि किसानों द्वारा गमी सीजन में पैदा की गई मूंफ़ को पहले सरकार द्वारा मात्र 25 प्रतिशत खरीदने का निर्णय लिया गया था। इसके बाद



जब किसानों में आक्रोश बढ़ते हुये देखा तो इसे बढ़ाकर 60 प्रतिशत करने का निर्णय सुना दिया गया। इस दौरान ज़ले से लेकर स्थानीय स्तर पर बैठे हुये अधिकारियों द्वारा सरकार के निर्णय पर अपनी ओर से व्यवस्थायें बनाने का भरोसा तो दे दिया गया था। मगर व्यवस्थाओं के नाम पर अधिकारियों द्वारा की गई गफलतबाजी के चलते किसानों को अपनी मूंफ़ का फ़क्रय करने के लिये अनेक क्षेत्र से तीस से चालीस फ़ीसदी मीटर दूरी पर स्थित बेयर हाऊसों में भेजा गया। इस स्थिति में अपने गांव व क्षेत्र से दूर भूखे व्यास किसानों के सामने अपने मायूम बच्चों का चेहरा याद आने के चलते

वह चुपचाप हत्तो तक लाईनों में लगाने के साथ बारिश के बीच ट्रैक्टर ट्रालियों के नीचे रात काटते हुये देखे गये। इस मंज़र को शायद ही किसान कभी नहीं भुला पायेगे...? फ़िलहाल मूंफ़ खरीदी का कार्य तो पूर्ण हो चुका है। मगर अधिकारियों की गफलतबाजी के के चलते किसानों द्वारा रात के समय जहरीले जीव जंतुओं के बीच काटी गई रातों की सच्चाई यदि अन्नदाता को आने वाले वर्ष 2028 के नम्बर माह में याद आ गई तो महाकाल की नगरी बाले भैया की लुटिया ड़बने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है...? अन्नदाता द्वारा किसी भी प्रकार से वह काली रातों को तो काट त्याग गया है। मगर हैरत इस बात की हो रही है जो जिन नेताओं द्वारा इन किसानों को अपना हितैषी बताते हुये किसान पुत्र कहने में पीछे नहीं रहती थे। मगर इस दौरान किसानों के बीच किसी नेता को पहुंचते हुये नहीं देखा गया। हाल यह बना हुआ था कि किसान हितैषी बताते वाले के दर्शन दुर्लभ हुये है तो निश्चित आने वाले समय में अन्नदाता अपने तागत दिखाने में पीछे रहने से शायद ही चूक पायेगे।

ख़बर संक्षेप

भूसे से भरा ट्रक पलटा



तेंदूखेड़ा। इन दिनों राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 45 जबलपुर भोपाल सड़क मार्ग पर तेंदूखेड़ा में 07 नंबर पुलिया से आगे मदनपुर तरफ घटना दुर्घटना घटित होती चली जा रही है। पिछले एक पखवाड़े में यहां पर 15 से अधिक मवेशी अज्ञात बाहन की टक्कर में असमय काल के गाल में समा गए हैं। वहीं एक स्कूटी चालक ट्रक से टकराकर मौत हो गई है। वहीं एक मार्वल से भरा भारी ट्रक फंस गया था जिसके कारण आवागमन प्रभावित हुआ था। इसी बीच गत दिवस एक भूसे से भरा भारी ट्रक अनुविभागीय कार्यालय के सामने तरफ पलट गया। यह ट्रक जबलपुर तरफ से आकर भोपाल तरफ जा रहा था। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार ट्रक के सामने तरफ अचानक मवेशी आ जाने के कारण यह हादसा घटित हुआ। अचानक ब्रेक लगाने से संतुलन बिगड़ा और ट्रक पलट गया। चूंकि इसमें किसी व्यक्ति को कोई चोट नहीं आई।

बस एसोसिएशन ने सौंपा ज्ञापन, कार्रवाई की मांग
हरिभूमि न्यूज – नरसिंहपुर। बस ऑपरेटर एसोसिएशन ने शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक के नाम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया को ज्ञापन सौंपकर लोकल बस ऑपरेटरों पर मनमानी और अवैध संचालन का आरोप लगाया है। एसोसिएशन ने मांग की है कि लोकल बसों के परमिट की जांच कर नियम विरुद्ध संचालन पाए जाने पर कार्रवाई की जाए। ज्ञापन में बस ऑपरेटरों ने बताया कि वे शासन द्वारा जारी स्थाई परमिट के आधार पर सागर से नरसिंहपुर के बीच बसों का संचालन कर रहे हैं। आरोप है कि नरसिंहपुर और आसपास के क्षेत्रों से राजमार्ग तक संचालित कुछ लोकल बसों के पास वैध परमिट नहीं हैं। इसके बावजूद उनका संचालन किया जा रहा है। ऐसे अनेकों आरोप लगाए गए हैं। एसोसिएशन ने कहा कि यात्रियों की कमी के कारण उन्हें आर्थिक नुकसान हो रहा है और समय पर टैक्स सहित अन्य देनदारियां चुकाना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने प्रशासन से परमिटों की जांच कर उचित कार्रवाई तथा बस संचालन की पुरानी व्यवस्था बहाल करने की मांग की है।

फ़लित सिंह पटेल के नेतृत्व विद्यार्थियों ने ली नशामुक्त समाज की शपथ
हरिभूमि न्यूज – नरसिंहपुर। जिले में सहयोग युवा समिति द्वारा युवा जागरण यात्रा अभियान के अंतर्गत नरसिंहपुर जिले के विभिन्न शासकीय विद्यालयों में नशा मुक्ति जन-जागरूकता कार्यक्रमों का प्रभावी आयोजन किया गया समिति के फाउंडर मेंबर फलित सिंह पटेल के नेतृत्व में संचालित इस अभियान के तहत शासकीय विद्यालय झामर, बम्हौरी, नयागांव, धमना, मुराड़ और इमलिया गारारू में छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी विद्यालयों में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

नशा मुक्ति अभियान में छात्रों ने ली नशा न करने की प्रतिज्ञा

मानसिक शांति और सकारात्मक सोच के लिए राजयोग अपनाते का दिया संदेश



कार्यक्रम में राजयोगिनी मीना दीदी, राजयोगिनी प्रीति दीदी एवं द्वारका भाईजी का आगमन हुआ। इस दौरान प्रशिक्षार्थियों को मानसिक शांति, सकारात्मक सोच और नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरक उद्बोधन दिया गया। दीदीयों ने कहा कि नशा व्यक्ति के जीवन को अंधकार की ओर ले जाता है। इससे व्यक्ति का स्वास्थ्य, परिवार और सामाजिक जीवन प्रभावित होता है। वहीं राजयोग और सकारात्मक विचारों के माध्यम से जीवन में आत्मबल, मानसिक शांति एवं सकारात्मक ऊर्जा का विकास किया जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रशिक्षार्थियों को नशे से दूर रहने और समाज को नशामुक्त बनाने में सहयोग करने की प्रतिज्ञा दिलाई गई।

हितग्राहियों को हितलाम वितरित कर किया लाभान्वित

समस्याओं के समाधान का महत्वपूर्ण अवसर: मंत्री पटेल

जन संवाद शिविर में शामिल हुए मंत्री श्री पटेल

हरिभूमि न्यूज – नरसिंहपुर। राज्य शासन के पंचायत एवं ग्रामीण व श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत जनपद पंचायत नरसिंहपुर की ग्राम पंचायत हीरापुर में आयोजित जन-संवाद कार्यक्रम में ग्रामीणों से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने और अपनी समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान नागरिकों के लिए अपनी व्यक्तिगत और गांव से जुड़ी समस्याओं को सामने रखने का महत्वपूर्ण अवसर है। कैबिनेट मंत्री श्री पटेल ने कहा कि राजा हिरदेशाह की जन्मभूमि व कर्मभूमि को नमन करता हूं। उन्होंने कहा कि हीरापुर से उनका गहरा रिश्ता है। हीरापुर से जुड़ी अपनी स्मृतियां भी साझा कीं। उन्होंने बताया कि ग्राम सांकल और ग्राम हीरापुर के बीच नर्मदा नदी पर करीब 50 करोड़ रुपये की लागत से पुल निर्माण का टेंडर स्वीकृत हो गया है। इसमें हीरापुर का पुराना रास्ता भी शामिल है, जो मुख्य मार्ग से जुड़ेगा।

किसानों को मिलेगा चार गुना मुआवजा
कैबिनेट मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव



की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 2015 के नियमों में संशोधन किया है। अब ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि अधिग्रहण होने पर किसानों को गाइडलाइन के चार गुना तक मुआवजा मिल सकेगा। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि सड़क निर्माण, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान बनाने वाले श्रमिक एवं मिछ्ठी तथा मनरेगा में कार्य करने वाली पात्र श्रमिक श्रेणियों के लोगों का भी भवन संनिर्माण कर्मकार मंडल का कार्ड बनाया जा सकता है। उन्होंने ग्रामीणों से इसके लिए आवेदन करने का आग्रह किया। उन्होंने सरपंच एवं पंचायत सचिव से कहा कि गांव के पात्र हितग्राहियों की पहचान कर उनके भवन संनिर्माण कर्मकार मंडल के कार्ड बनवाने की कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि इस कार्ड के माध्यम से हितग्राहियों को शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आसानी से



किया। मंत्री श्री पटेल व अन्य अतिथियों ने 40 स्वसहायता समूह की महिलाओं को एक करोड़ 7 लाख रुपये का चेक सौंपा। इसके अलावा पशु पालन विभाग द्वारा संचालित आचार्य विद्या सागर योजना के तहत अभिषेक लोधी को स्वीकृति पत्र सौंपा गया। साथ ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा टीबी मरीजों को फूड बास्केट भी वितरित किए।

मौके पर ही मिली सेवाओं की सुविधा
कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत ग्राम हीरापुर में आयोजित शिविर में नागरिकों को उपलब्ध कराई गई सेवाओं एवं लाभों की जानकारी साझा की। कलेक्टर ने बताया कि शिविर में 48 किसानों में से 31 किसानों की फार्मर आईडी बनाई गई तथा 6 फौती दर्ज की गई। समग्र ई-केवायसी के तहत 8 नागरिकों के कार्य पूर्ण किए गए, जबकि राशन पात्रता

पचीं में 8 नाम जोड़े गए। सहकारिता विभाग के माध्यम से 12 किसानों के किसान क्रेडिट कार्ड बनाए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 2 लाइली बहना योजना के आवेदन भरवाए गए। श्रम विभाग के अंतर्गत प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के लिए 15 हितग्राहियों के आवेदन दर्ज किए गए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने बताया कि शिविर में लगाए गए आधार सेंटर के माध्यम से 36 लोगों के आधार संबंधी कार्य किए गए। इनमें 20 नए आधार कार्ड बनाए गए तथा 16 आधार कार्ड अपडेट किए गए। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा शिविर में 48 लोगों के एक्स-रे किए गए। इसके अलावा 100 से अधिक नागरिकों के स्वास्थ्य की जांच कर आवश्यकतानुसार वाइडाय वितरित की गई। मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने मां नर्मदा समृद्धि योजना के अंतर्गत ग्राम बंदरोहा में पौधारोपण किया।

नर्मदा नदी में आई बाढ़

बरमान का नया पुल डूबा



हरिभूमि न्यूज – नरसिंहपुर। बीते दिनों से जबलपुर स्थित बरगी बांध के गेट खोले जाने और क्षेत्र में लगातार हो रही रिमझिम बारिश के चलते जिले में नर्मदा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। नदी में आए उफान के कारण बरमान स्थित स्थाई आवागमन वाले छोटा पुल डूब गया। जलस्तर में हो रही लगातार वृद्धि के बावजूद घाटों पर लोगों की भारी लापरवाही सामने आ रही है। बरमान के रेतघाट स्थित पुल पर पानी के तेज बहाव के बीच कई लोग पुल पर खड़े होकर बहती लकड़ियां पकड़ते नजर आ रहे हैं। जान जोखिम में डालकर लकड़ियां निकालने का यह खतरनाक बौद्धि हो भी सामने आया है। नर्मदा के रौद्र रूप और तेज धारा के बीच जरा सी चूक बड़े हादसे का कारण बन सकती है। हालात को देखते हुए स्थानीय प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। प्रशासन द्वारा लगातार मुनादी करवाकर अलर्ट जारी किया जा रहा है। नदी किनारे दुकान लगाने वाले व्यापारियों और आम नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर जाने तथा घाटों, पुलों और निचले इलाकों से दूर रहने की सख्त हिदायत दी जा रही है। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे बढ़ते जलस्तर के दौरान नर्मदा तटों पर न जाएं और सतर्कता बरतें।

सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत

हरिभूमि न्यूज – नरसिंहपुर। बीती रात छिंदवाड़ा मार्ग पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को रौंद दिया। ग्राम कल्याणपुर के पास घटित इस दर्दनाक सड़क हादसे में दोनों युवकों के शरीर क्षत-विक्षत हो गए। मृतकों की पहचान सिंहपुर चौकी के ग्राम नयाखेड़ा निवासी राजा चैधरी उम्र 25 वर्ष और मुंगवानी थाना क्षेत्र के ग्राम सिवनी बंधा निवासी अनिल मेहरा उम्र 26 वर्ष के रूप में हुई है। शुक्रवार को पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में पंचनामा कार्रवाई पूरी कर दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया और अंतिम संस्कार के लिए शव परिजनों को सौंप दिए।



पीएसएम कॉलेज जबलपुर में परीक्षा और इंटर्नशिप एक साथ, छात्र अध्यापक मानसिक तनाव में, हादसे या परीक्षा छूटने पर जवाबदेही किसकी?

जबलपुर। प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान, जबलपुर (पीएसएम कॉलेज) द्वारा बी एड तृतीय सेमेस्टर के छात्र अध्यापकों को इंटरनशिप पर कार्यमुक्त किए जाने से छात्र अध्यापकों में भारी आक्रोश और मानसिक तनाव की स्थिति बनी हुई है।

छात्र अध्यापकों का कहना है कि रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर द्वारा बी एड द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा समय-सारणी पहले ही घोषित की जा चुकी है। ऐसे में एक तरफ परीक्षा की तैयारी और दूसरी तरफ इंटरनशिप, दोनों की तिथियां टकरा रही हैं। छात्र पूर्व अध्ययन नहीं कर पा रहे हैं और तनावमुक्त होकर परीक्षा देने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल रहा है।

10 जिलों के छात्र सैकड़ों की संख्या में होंगे प्रभावित

कुछ छात्र अध्यापकों ने नाम गुप्त रखने की शर्त पर बताया कि 9 से 10 जिलों के छात्र अध्यापक इन संस्थानों में अध्ययन करते हैं ऐसे में परीक्षा टाइम टेबल के अनुसार परीक्षा देने पांडुणां छिंदवाड़ा बैतूल बालाघाट जैसे सुदूर अंचलों से आना जाना करना और इ अटेंडंस लगाने की बाध्यता की बढ़ाओ विसंगति के कारण परीक्षा टाइम टेबल घोषित होते ही उन्हें तनाव और



मानसिक दबाव काफी बढ़ गया है ऐसे में उनकी तैयारी कैसे होगी और यदि ऐसे में परीक्षा परिणाम प्रतिकूल होता है तो इसके लिए प्राचार्य प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान और संस्थान का प्रबंधन इसके लिए जवाब देह माना जाना चाहिए जिन्होंने अनावश्यक रूप से छात्र-छात्राओं विशेष कर महिलाओं की आवागमन और सुरक्षा की चिंता किए बगैर ऐसी विषम परिस्थिति उत्पन्न कर दी है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि यही पर पीएसएम के साथ एसआईएस संस्थान राज्य शिक्षा केंद्र और आर.डी.वी.वी. से संचालित है। जबकि बगल में ही स्थित राज्य विज्ञान संस्थान (एस.आई.एस) जबलपुर ने अभी तक अपने छात्र अध्यापकों को इंटरनशिप के लिए रिलीव नहीं किया है, बल्कि उन्हें संस्थान में वापस बुला लिया गया है। ऐसे में दो संस्थानों में दो मापदंड क्यों?

बरसात में जोखिम भरा सफ़र, पुल-पुलिया पर खतरा

वर्तमान में बरसात का मौसम चरम पर है। छात्र अध्यापकों को दूरस्थ स्कूलों में इंटरनशिप के लिए भेजा गया है। सवाल यह उठता है कि यदि कल कोई छात्र अध्यापक बरसाती नाला, टूटी पुलिया या जलभराव के कारण परीक्षा केंद्र पर समय पर नहीं पहुंच पाया, तो इसका जिम्मेदार कौन होगा? यदि लगातार आवागमन, तनाव और थकान के कारण किसी छात्र अध्यापक का परीक्षा परिणाम प्रभावित होता है, तो क्या पीएसएम कॉलेज के प्राचार्य और कॉलेज प्रबंधन इसकी जवाबदेही लेंगे। छात्र अध्यापकों ने मांग की है कि छात्र हित को देखते हुए सैद्धांतिक और प्रायोगिक परीक्षाएं संपन्न होने तक इंटरनशिप कार्यक्रम को स्थगित किया जाए और परीक्षा समाप्त होने के बाद आगामी माह में संशोधित इंटरनशिप कार्यक्रम जारी किया जाए। परीक्षाओं को लेकर चिंतित छात्र अध्यापकों ने इस मामले में जिला कलेक्टर के साथ ही उच्च शिक्षा विभाग और विश्वविद्यालय प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की है।

नन्हे हाथों ने बनाई आकर्षक राखियां, प्रतिभा हुई पुरस्कृत

रक्षाबंधन पर शिशु बाल मंदिर में आयोजित हुई राखी प्रतियोगिता

गोटेगांव। बाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित शिशु बाल मंदिर विद्यालय, दानागंज गोटेगांव में रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में राखी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में नर्सरी से कक्षा दूसरी तक के नन्हे-मुन्हे बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए सुंदर और आकर्षक राखियां तैयार कीं। प्रतियोगिता के दौरान बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर बाल शिक्षा समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, सहसचिव एवं शिशु बाल मंदिर व्यवस्थापक आनंद अग्रवाल, कोषाध्यक्ष शिवजीत ताप्रकार सहित समिति के सदस्यों ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने बच्चों को अपनी प्रतिभा को निखारने और रचनात्मक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट राखियां बनाने वाले बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार मिलने पर बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह दिखाई दिया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को रक्षाबंधन के महत्व की जानकारी देते हुए बताया गया कि राखी केवल एक धागा नहीं, बल्कि भाई-बहन के प्रेम, विश्वास, स्नेह और रक्षा के संकल्प का प्रतीक है। इस तरह के आयोजन बच्चों में रचनात्मकता के साथ भारतीय संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करते हैं। कार्यक्रम का आयोजन स्कूल व्यवस्थापक, प्रधान पाठक एवं समस्त विद्यालय स्टाफ के मार्गदर्शन में किया गया।



गैस बुकिंग समय सीमा कम करने की मांग

त्यौहारों को देखते हुए लिया जाये

शीघ्र निर्णय

तेंदूखेड़ा। इन दिनों रसोई गैस सिलेंडर को लेकर अभी समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है। सबसे बड़ी विसंगति यहां पर बुकिंग समय सीमा को लेकर बनी हुई है। उपभोक्ताओं को 45 दिनों में ही गैस सिलेंडर मिल पा रहा है। चूंकि कंपनी द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के उपभोक्ताओं को समय सीमा 45 दिन रखी गई है। और शहरी क्षेत्रों में गैस सिलेंडर 25 दिन में उपभोक्ताओं को दिये जाने का विसंगति पूर्ण प्रावधान निर्धारित किया गया है। उपभोक्ताओं ने हमारे प्रतिनिधि को बताया है कि शहरी क्षेत्रों ग्रामीण क्षेत्रों के उपभोक्ता तो बराबर भोजन किया करते हैं बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में संयुक्त परिवारों में ज्यादा ईंधन की खपत हुआ करती है। तेंदूखेड़ा शहरी क्षेत्र में आता है और नगर परिषद क्षेत्र भी है। लेकिन गैस वितरण व्यवस्था ग्रामीण क्षेत्र को होने के कारण यहां पर 45 दिनों में



ही सिलेंडर मिल रहा है। महिला उपभोक्ताओं का कहना है कि श्रावण एक महत्वपूर्ण त्योहार है और तरह तरह के व्यंजन पकवान नाते रिश्तेदारों बहनों का आना जाना हुआ करता है ऐसे समय में रसोई गैस सिलेंडर की ज्यादा खपत बढ़ जाती है। और 45 दिन के चक्कर में उपभोक्ताओं को परेशान होना पड़ रहा है। गैस 20 से 25 दिन में ही खर्च हो जाती है। तत्काल प्रभाव से समय सीमा में परिवर्तन किया जाना

चाहिए। इस संबंध में जब हमारे प्रतिनिधि ने आशीर्वाद भारत गैस संचालक रामकुमार ठाकुर से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि उपभोक्ताओं की परेशानियों को देखते हुए इस विसंगति पूर्ण व्यवस्था को लेकर हमारे द्वारा पूर्व में ही हमारे वरिष्ठ अधिकारियों रिफिलिंग सेंटर में लिखित और मौखिक रूप से चर्चा भी की गई है। और समय सीमा कम करने को कहा गया है। हमारी एजेंसी ग्रामीण क्षेत्र में आती है।

